नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 289
दि. 20.02.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

भगवा, सैंडल की जगह जूते... सीएम योगी के जापान दौरे से पहले पहनावे की चर्चा तेज

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 22 फरवरी को सिंगापुर दौरे पर जाएंगे और इसके बाद जापान पहुंचेंगे. इस यात्रा में उनके पहनावे को लेकर चर्चा हो रही है. बताया जा रहा है कि सीएम योगी भगवा पहनकर ही विदेश जाएंगे. जापान में वो सैंडल की जगह सूज पहनेंगे और टोक्यो से 45-50 किलोमीटर दूर हनुमान मंदिर भी जाएंगे.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगामी सिंगापुर और जापान दौरे को लेकर चर्चा तेज हो गई है. इस बार चर्चा का केंद्र उनका पहनावा है. बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विदेश यात्रा के दौरान भी भगवा वस्त्र में ही नजर आएंगे.

जानकारी के अनुसार, सीएम योगी 22 फरवरी को सिंगापुर के लिए रवाना होंगे. इसके बाद उनका जापान दौरा प्रस्तावित है. इस यात्रा में पहली बार किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के भगवा पहनकर विदेश जाने की बात सामने आई है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा हो रही है.

सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी जापान यात्रा के दौरान पारंपरिक सैंडल के स्थान पर सूज पहनेंगे. यह भी कहा जा रहा है कि उनका यह दौरा पूरी तरह औपचारिक कार्यक्रमों और बैठकों से जुड़ा रहेगा, लेकिन पहनावे को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है.

टोक्यो से 45-50 किलोमीटर दूर हनुमान मंदिर भी जाएंगे उट

जापान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ टोक्यो से करीब 45 से 50 किलोमीटर दूर स्थित हनुमान मंदिर भी जाएंगे. मंदिर दर्शन को लेकर भी चर्चा हो रही है. मुख्यमंत्री

के इस दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है. विदेश यात्रा के दौरान वो सिंगापुर और जापान में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे. सीएम योगी के भगवा पहनावे, सूज पहनने और जापान के हनुमान मंदिर जाने की खबरों ने दौरे को और ज्यादा चर्चित बना दिया है.

बता दें, यूपी में आधुनिक परिवहन ढांचे के विस्तार पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोकस लगातार रहा है. जापान दौरे के दौरान मैग्लेव ट्रेन की परीक्षण यात्रा से उन्हें भविष्य की हाईस्पीड और घर्षण रहित रेल तकनीक को करीब से समझने का अवसर मिलेगा. माना जा रहा है कि भारत-जापान सहयोग से स्मार्ट और सतत परिवहन व्यवस्था को नई दिशा मिल सकती है, जिससे आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में भी आधुनिक ट्रांसपोर्ट परियोजनाओं को गति मिल सकती है.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक एआई इम्पैक्ट समिट भारत में आयोजित हो रहा है, जो मानवता के छठे हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि भारत में विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी, सबसे बड़े तकनीकी प्रतिभा भंडार और समृद्ध प्रौद्योगिकी-सक्षम इकोसिस्टम है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल नई प्रौद्योगिकियों का निर्माण करता है, बल्कि उन्हें अभूतपूर्व गति से अपनाता भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 14 करोड़ भारतीय नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए उत्सुक हैं और उनकी ओर से उन्होंने शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले राष्ट्राध्यक्षों, वैश्विक एआई इकोसिस्टम के नेताओं और नवप्रवर्तकों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करना न केवल देश के लिए बल्कि विकासशील देशों के लिए भी गर्व की बात है।

श्री मोदी ने बताया कि इस शिखर सम्मेलन में एआई जगत की जानी-मानी हस्तियां एक साथ आई हैं। 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और विश्व भर के प्रतिष्ठित प्रतिभागी शामिल होने से इस आयोजन की सफलता नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। उन्होंने शिखर सम्मेलन में युवा पीढ़ी की उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे उन्हें नया आत्मविश्वास मिला। उन्होंने कहा कि जहां नई तकनीकों को अक्सर शुरूआत में संदेह का सामना करना पड़ता है, वहीं जिस गति और विश्वास के साथ विश्व भर के युवा एआई को अपना रहे हैं, उस पर अपना अधिकार जता रहे हैं और उसका उपयोग कर रहे हैं, वह अभूतपूर्व है। प्रधानमंत्री ने एआई शिखर सम्मेलन की प्रदर्शनी के प्रति उत्साह, विशेष रूप से युवा प्रतिभाओं की बड़ी भागीदारी की भी सराहना की।

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस महामहिम शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नहयान की भारत यात्रा

(जीएनएस)।

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस महामहिम शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नहयान 19 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेने के लिए 18-19 फरवरी 2026 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। सितंबर 2024 की यात्रा के बाद, यह भारत की उनकी दूसरी आधिकारिक यात्रा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और महामहिम शेख खालिद बिन मोहम्मद की एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के अवसर पर 19 फरवरी को मुलाकात हुई। दोनों राजनेताओं ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी के महत्व को दोहराया, जो मजबूत राजनीतिक, सांस्कृतिक, वाणिज्यिक, ऊर्जा और लोगों के आपसी संपर्क पर आधारित है। उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति, महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान तथा अबू धाबी और दुबई राजपरिवार के अन्य सदस्यों की हाल की सफल भारत यात्रा को याद किया।

दोनों राजनेताओं ने रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और निवेश, शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग जैसे क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में द्विपक्षीय संबंधों में हासिल की गई महत्वपूर्ण प्रगति को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि 18 फरवरी 2026 को व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर हुए ठीक चार साल हो गए हैं, इस अवधि के दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा, दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण दो-तरफा निवेश प्रवाह की सराहना की और यूएई सॉवरेन वेल्थ फंड को भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस आलोक में, दोनों नेताओं ने पारस्परिक लाभ के लिए इस साझेदारी को मजबूत करने के क्रम में नवीनतम संप्रभु कोष के रूप में लल्मद की क्षमता को स्वीकार किया। उन्होंने अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच सहयोग के अवसरों पर भी चर्चा की।

डीआरडीओ ने गगनयान ड्रोग पैराशूट का सफल क्वालीफिकेशन परीक्षण किया

भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रक्षा अनुसंधान और संगठन (डीआरडीओ) के चण्डीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल) के 'रेल ट्रेक रॉकेट स्लेड' केन्द्र में गगनयान कार्यक्रम के लिए पैराशूट का क्वालीफिकेशन स्तर का लोड परिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। आरटीआरएस एक विशिष्ट गतिशील परिक्षण सुविधा है, जिसका उपयोग उच्च गति वाले एरोडायनिमक और बैलस्टिक मूल्यांकन के लिए व्यापक रूप से किया जाता है।

सर्बिया के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट की

सर्बिया के राष्ट्रपति महामहिम अलेक्जेंडर वुसिक ने आज (19 फरवरी, 2026) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति वुसिक का स्वागत करते हुए जून, 2023 में सर्बिया की अपनी यात्रा का स्नेहपूर्वक स्मरण किया। उन्होंने उस अवसर पर प्राप्त सौहार्दपूर्ण आतिथ्य के लिए राष्ट्रपति वुसिक और सर्बिया की सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रपति ने कहा कि गुटनिरपेक्ष आंदोलन के सह-संस्थापक होने से लेकर वर्तमान में ग्लोबल साउथ में साझेदार बनने तक भारत और सर्बिया के बीच एक विशेष एवं ऐतिहासिक बंधन रहा है।

दोनों देशों की ग्लोबल साउथ में महत्वपूर्ण भूमिका है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए दोनों देशों यानी भारत व सर्बिया की दक्षता को देखते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं हैं।

आध्यात्मिक सुधारकों के जीवन का दस्तावेजीकरण भारत की सभ्यतागत स्मृति की रक्षा के लिए जरुरी: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने डॉ. शशि थरूर द्वारा लिखित पुस्तक 'द सेज हू रीइमैजिन्ड हिंदूइज्मः द लाइफ, लेसन्स एंड लेगेसी ऑफ श्री नारायण गुरु' का विमोचन किया

उपराष्ट्रपति ने भारत की आध्यात्मिक विरासत की वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए डॉ. शशि थरूर की सराहना की

श्री नारायण गुरु की शिक्षाएं सामाजिक न्याय का मार्ग प्रशस्त करती हैं: उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में सांसद डॉ. शशि थरूर द्वारा लिखित पुस्तक "द सेज हू रीइमैजिन्ड हिंदूइज्मः द लाइफ, लेसन्स एंड लेगेसी ऑफ श्री नारायण गुरु" का विमोचन किया।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री नारायण गुरु, ऐसे वक्त में आध्यात्मिक गुरु के रूप में उभरे, जब समाज में जातिगत विभाजन और सामाजिक भेदभाव गहराई से जड़े जमा चुके थे। उन्होंने कहा कि गुरु जी का अमर संदेश, "मानव जाति के लिए एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर", न केवल एक आध्यात्मिक उद्घोषणा थी,

बल्कि समानता, गरिमा और सार्वभौमिक बंधुत्व के लिए एक क्रांतिकारी आ'ान भी था।

उपराष्ट्रपति ने बताया कि श्री नारायण गुरु ने समावेशी मंदिर की स्थापना और शिक्षा को बढ़ावा देने जैसी पहलों के जरिए ज्ञान और करुणा से अन्याय को चुनौती दी। पिछले वर्ष दिसंबर में शिवगिरि मठ की अपनी यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने शिवगिरि को सबसे पवित्र स्थानों में से एक बताया, जो सभी को समानता और सम्मान के साथ व्यवहार करने के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के शब्दों को उद्धृत करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि गुरु जी की शिक्षाएं सामाजिक न्याय के लिए एक मार्गदर्शक का काम करती हैं और भेदभाव को खत्म करने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के प्रयासों का मार्गदर्शन करती रहती हैं।

भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आदि शंकराचार्य, रामानुजाचार्य और श्री नारायण गुरु जैसे संतों और समाज सुधारकों ने अपनी आध्यात्मिक शिक्षाओं के जरिए समाज को नया रूप दिया, अन्याय को चुनौती दी, अंधविश्वास को दूर किया और प्रत्येक नागरिक को सम्मान दिलाया। उन्होंने कहा कि यदि आदि शंकराचार्य न होते तो आज भारत एकजुट न होता।

डॉ. शशि थरूर द्वारा पुस्तक लेखन की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह पुस्तक भारत की सभ्यतागत विरासत की वैश्विक पहुंच का विस्तार करेगी। उन्होंने डॉ. थरूर को एक विशिष्ट राजनयिक, सांसद और लेखक बताया, जिन्होंने बेहद स्पष्टता और ऐतिहासिक गहराई के साथ सार्वजनिक चर्चा को और समृद्ध किया है।

रक्षा मंत्री ने समुद्री क्षेत्र की उभरती चुनौतियों से निपटने में वैश्विक समुदाय की एकजुटता का आह्वान किया

रक्षा मंत्री ने विशाखापत्तनम में अभ्यास मिलन का उद्घाटन करते हुए समुद्री क्षेत्र की उभरती चुनौतियों से निपटने में वैश्विक समुदाय की एकजुटता का आह्वान किया

समग्र वैश्विक नौसैनिक संरचना द्वारा संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानूनी ढांचे को और सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता

भारत की अंतरराष्ट्रीय नियमों और नौवहन स्वतंत्रता पर आधारित न्यायसंगत समुद्री व्यवस्था स्थापित करने की आकांक्षा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सागर से महासागर तक का दृष्टिकोण इस क्षेत्र और उससे परे साझेदारों के साथ जुड़ाव के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता दर्शाता है

भारत विश्वसनीय विश्व-मित्र है और क्षेत्र में सकारात्मक और भरोसेमंद भूमिका निभाता रहेगा

भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित मिलन अभ्यास में 74 देशों के नौसेना प्रमुख और प्रतिनिधिमंडल सहयोगात्मक समुद्री जुड़ाव, सामूहिक सुरक्षा और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए भाग ले रहे हैं

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पारस्परिक सम्मान और सहयोग भावना से समुद्र की उभरती जटिल और परस्पर जुड़ी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने का आ'ान किया है। रक्षा मंत्री आज आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित अभ्यास मिलन के उद्घाटन

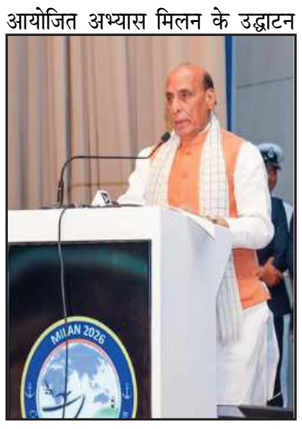

समारोह में 74 देशों के नौसेना प्रमुखों और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय शांति स्थापना में नौसेनाओं की भूमिका समय के साथ बढ़ रही है। साथ ही, पिछले कुछ दशक में आर्थिक विकास में काफी वृद्धि हुई है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और परिवहन में भी बहुत वृद्धि हुई है। इससे जलडमरूमध्य और जलमार्गों पर प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है, जिससे कई बार संघर्ष की आशंका उत्पन्न होती है। समुद्री संसाधनों, विशेष रूप से दुर्लभ खनिजों पर बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय ध्यान से इस तनाव में एक नया पहलू जुड़ गया है। इसके अलावा, हमें अपने जलक्षेत्रों को आतंकवादी गतिविधियों से सुरक्षित रखने की भी आवश्यकता है जो विभिन्न देशों और क्षेत्रों में अपना जाल फैला रहे हैं।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने स्विस कन्फेडरेशन के अध्यक्ष श्री गाई पारमेलिन के साथ उच्च-स्तरीय बैठक की

भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते के तहत भारत-स्विट्जरलैंड कार्यनीतिक सहयोग आगे बढ़ाया जाएगा

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने 19 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में स्विस कन्फेडरेशन के अध्यक्ष श्री गाई परमेलिन के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। श्री परमेलिन इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भाग लेने के लिए भारत के आधिकारिक दौरे पर हैं।

भारत और स्विट्जरलैंड ने इस बैठक में भारत-ईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) के तहत अपनी दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी और कार्यनीतिक सहयोग को और गहरा करने की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। एआई इम्पैक्ट समिट के संदर्भ में, दोनों पक्षों ने नवाचार और उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता को स्वीकार किया और कहा कि टीईपीए प्रेसीजन इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा, नवाचार और अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी सहयोग के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

श्री पीयूष गोयल ने भारत की विकास यात्रा को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत वर्तमान में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसका अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2026 में 4.51 ट्रिलियन डॉलर होगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत में विकास की अपार संभावनाएं, सुधारों की गति, एक विशाल और विस्तारित उपभोक्ता बाजार, मजबूत औद्योगिक आधार और व्यापार करने में सुगमता, डिजिटलीकरण और बुनियादी ढांचे पर आधारित प्रतिस्पर्धा पर निरंतर ध्यान केंद्रित है, जो दीर्घकालिक साझेदारी के लिए एक स्थिर और विस्तार योग्य मंच प्रदान करता है। श्री गोयल ने भारत में-विशेष रूप से, उन क्षेत्रों में, जहां स्विट्जरलैंड ने विशिष्ट तकनीकी क्षमताएं स्थापित की हैं-स्विस निवेश को प्रोत्साहित करने के महत्व को दोहराया। उन्होंने किफायती, उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं और टीकों के एक विश्वसनीय वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की भूमिका को भी रेखांकित किया और अनुसंधान एवं विकास, जैव प्रौद्योगिकी, विशिष्ट फार्मास्यूटिकल्स तथा उन्नत चिकित्सा पद्धतियों में और अधिक सहयोग का आ'ान किया।

रमजान के पाक महीने के लिए रोजेदरों, जरूरतमंदों को राहत

लखनऊ, पीस एजुकेशन चार्टर्ड ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक और सलाहकार जनाब खालिद इस्लाम साहब के सहयोग से रमजान के पाक महीने में रोजेदारों और जरूरतमंदों को रमजान किट का वितरण किया गया। जरूरतमंद लोगों ने आकर किट प्राप्त की, जिससे उन्हें रमजान के महीने में राहत मिली।इस अवसर पर ट्रस्ट ने खालिद इस्लाम साहब को उनके इस नेक काम के लिए बहुत-बहुत मुबारकबाद दी गई। ट्रस्ट के इस प्रयास से जरूरतमंदों को मदद मिली और उन्हें रमजान के महीने में सहारा मिला।इस वितरण कार्यक्रम में जरूरतमंदों को रमजान किट प्रदान की गई, जिसमें आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं। इस मौके पर ट्रस्ट के सदर मुर्तजा अली, अमीर किदवई, तंजीम अप्सर जाफरी साहब,ओसामा रावत साहब, हलीमा अजीम,नईम,महफूज अहमद साहब, अहमद अंसारी साहब, बाकी सारे लोगों का जोड़ दीजिएऔर कई सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे।

फरह पुलिस से मुठभेड़ में शातिर लुटेरा हुआ लंगड़ा : महिलाओं के कान से कुंडल छीनकर चल रहा था फरार

मथुरा (जीएनएस)। थाना फरह क्षेत्र स्थित पींगरी के पास फरह पुलिस की फरार चल रहे शातिर लुटेरे से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से लुटेरा लंगड़ा हो गया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी फरह छोटेलाल पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि महिला के कान से कुंडल खींचकर फरार हुआ शातिर बदमाश कहीं भागने की फिराक में गांव पींगरी कट के पास खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी छोटेलाल पुलिस टीम में कस्बा चौकी प्रभारी अजय सिंह मलिक, चौकी प्रभारी रैपुराजाट तेजेन्द्र सिंह, एसआई अमित चौहान, मुख्य आरक्षी सर्वेश सिंह, विनय कुमार, पंकज कुमार, सर्वेश सिंह और अखिलेश कुमार के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़े शातिर बदमाश ने फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी कार्रवाई की तो शातिर बदमाश महेन्द्र उर्फ हल्के पुत्र कप्तान सिंह उर्फ सौदान सिंह निवासी गांव सूमपुरा थाना फरह के पैर में गोली धंस गई। पुलिस की गोली लगते ही जमीन पर गिरे घायल बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार करके उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घायल बदमाश के पास से एक तमंचा, कारतूस और लूटे माल को बेचकर हिस्से में आए 4 हजार रुपए बरामद किए हैं। बताते चलें कि विगत 13 फरवरी को हिन्दुस्तान कॉलेज के पास से बाइक सवार दो बदमाशों ने महिला के कान से कुंडल छीने थे और विगत 18 फरवरी को मां की रसोई होटल के पास दो भी एक महिला के कान से कुंडल छीनकर पुलिस को चुनौती दी थी। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखकर लुटेरों की पहचान कर ली। उसी समय से पुलिस शातिर बदमाश को गिरफ्तार करने के लिए दबिशें दे रही थी। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

ब्रजवासियों ने किया गालिब को याद : मिर्जा गालिब के जन्मदिवस पर हुआ कार्यक्रम आयोजित

मथुरा (जीएनएस)। बृजवासी मिर्जा गालिब को उनके जन्मदिवस पर बार-बार याद करते हैं। उस महाकवि का चमत्कार ही कुछ ऐसा है, जिसके काव्य को भुलाया नहीं जा सकता। शताब्दियां जिसको दोहराती रहेंगी और जिस पर शोधकर्ता अपने शोध ग्रंथ प्रस्तुत करते रहेंगे। यह बातें मथुरा के प्रसिद्ध वकील तनवीर अहमद खांन ने कहीं। उन्होंने गालिब दिवस की एक गोष्ठी में अध्यक्षता करते हुए प्रमुख बातें कहीं। वहीं संचालक करते हुए प्रिंसिपल जिया उल हक ने विषय को विस्तार देते हुए कहा कि साहित्य सबके हित की बात करता है और अदब तो बात ही है, सदव्यवहार, सद विचार और सलीके की। उन्होंने कहा कि हमें भारत भूमि के महान कवियों जैसे कालिदास, अमीर खुसरो, कबीर, गालिब, टैगोर, सरोजिनी नायडू, महादेवी वर्मा और अब्दुल रहीम खांन खाना को बार-बार याद करते रहना चाहिए, ताकि हमारे आने वाली नस्ल, देश के साहित्य का गुणगान करते रहें। इस मौके पर मुख्य वक्ता डा. जैड हसन ने मिर्जा गालिब के जीवन और काव्य पर विशेष प्रकाश डालते हुए गालिब की चार पंक्तियां प्रस्तुत कीं, जिनमें सभी धर्मों का सार निहित है। "ना सुनो गर बुरा कहे कोई, ना कहो गर बुरा करे कोई", "रोक लो गर गलत चले कोई, बख्श दो गर खता करे कोई"। योग्य वक्ता ने अगली सुंदर बात कही कि गालिब के जमाने में दिल्ली की गलियां उजड़ रही थीं, बस्तियां बर्बाद हो रही थीं। इस दुखद आपातकाल में कुछ ऐसी रचनाएं प्रस्तुत कर दीं जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन का काम करती रहेंगी। इस बीच मुख्य वक्ता डा. जैड हसन ने अपनी वाणी से खूब तालियां बटोरीं और फिर उपस्थित सज्जनों ने भी नए-नए गुल खिलाए। वहीं डा. अबरार ने गालिब की गरीबी का जिक्र किया, गालिब रोजा नहीं रखते, नमाज के भी पाबंद नहीं हैं, जिस के पास रोजा खोल के खाने को कुछ ना हो वह रोजा न खाएं तो नाचार क्या करें। अपनी गरीबी का गालिब ने खुद ही जिक्र किया है, गालिब को पता चला कि आज उसका महबूब उसके घर आने वाला है तो रोता है सीना पीटता है उसे क्या खिलाएगा और कहां बिठाएगा। इसीक्रम में गफ्फार एडवोकेट और निसार खांन ने मिर्जा गालिब के पुस्तकालय की दीवार पर लगे चित्र देखे और उनकी पोशाक को देखकर आश्चर्य चकित रह गए। कहा कि विभिन्न अवसरों पर बहादुर शाह जफर के दरबार से गालिब को पांच वस्त्रों वाला या सात वस्त्रों वाला शाही लिबास मिलता था तथा कुछ नगदी भी, जिसको लूटने छीनने ने के लिए गालिब के चाहने वाले उनके घर पहुंच जाते थे और गालिब इस लिबास का कुछ हिस्सा बेचकर उन्हें कुछ न कुछ जरूर देते थे। इस मौके पर सुलेमान और मुजफ्फर साहब ने गालिब की घरेलू जिंदगी को अंदर से झांक कर देखा और बताया कि मियां बीवी में कभी बनती नहीं थी, बीवी, रोजा-नमाज की पाबंद और परहेजगार थी और शौहर शराबी कबाबी। इस बीच अध्यक्ष तनवीर अहमद ने कहा कि ऐसी महफिल हमारे यहां बार-बार होती रहनी चाहिए, इससे बहुत अच्छा लगेगा। इस मौके पर अब्दुल रहमान, हमीद खांन, लाला पहलवान, हबीब अंसारी, राशिद खांन, गफ्फार अब्बास एडवोकेट, शाहिद खांन और बुरहान आदि मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण की नगरी में होली पर रंगों के साथ सांस्कृतिक भजनों के होंगे कार्यक्रम : ब्रज तीर्थ विकास

परिषद और जिला प्रशासन तैयारी में जुटा

मथुरा (जीएनएस)। ब्रज की विश्व प्रसिद्ध होली के पर्व पर इस बार ब्रज में रंगों के साथ लोक संस्कृति संगीत एवं परंपराओं की अभिनव छटा श्रद्धालुओं और पर्यटकों का ध्यान खींचेगी। इस बार उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद होली के रंगोत्सव को सांस्कृतिक आयाम देते हुए लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के माध्यम से ब्रज की जीवंत परंपराओं को सजीव करने में जुटा हुआ है। ब्रज में प्रमुख रूप से बरसाना, नन्दगांव, वृंदावन, श्रीकृष्ण जन्मभूमि, गोकुल, महावन और बल्देव समेत प्रमुख स्थलों पर रंगों की फुहार के साथ लोक कलाकार पारंपरिक प्रस्तुतियों से वातावरण को आनंदित करेंगे। विश्व प्रसिद्ध ब्रज की होली अब रंगोत्सव के रूप में प्रारंभ हो रही है। इसकी शुरूआत आगामी 24 फरवरी को बरसाना की ऐतिहासिक लड्डू होली से होगी, जबकि 25 फरवरी को यहां प्रसिद्ध लठमार होली मनाई जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बरसाना स्थित ब्रज बिहारी इंटर कॉलेज में मुख्य मंच तैयार हो रहा है, जहां 24 फरवरी को मिश्रा बंधु, विवेक मेहता, पूनम दीदी और कुमार सत्यम भजनों की प्रस्तुति देंगे। इसके बाद 25 फरवरी को लठमार होली पर मुरारीलाल शर्मा, अभिलाषा वर्मा, बनवारी लाल शर्मा और कैलाश पीयूष अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसी के साथ ब्रज तीर्थ परिषद ने बरसाना में सात अतिरिक्त मंच भी तैयार किए हैं, जहां लोक कलाकार प्रस्तुतियां देंगे और स्ट्रीट प्रस्तुति के माध्यम से पारंपरिक कला का प्रदर्शन किया जाएगा। बरसाना के बाद रंगोत्सव का उत्साह 26 फरवरी को नन्दगांव और रावल में पूरे चरम पर होगा तथा 27 फरवरी को श्रीकृष्ण जन्मस्थान और श्री बांकेबिहारी मंदिर (वृंदावन) में रंगों की होली मनाई जाएगी। दूसरी ओर द्वारिकाधीश मंदिर में कुंज की होली होगी। इसीक्रम में आगामी 3 मार्च को फालैन में होलिका दहन और मथुरा में चतुर्वेदी समाज का डोला निकाला जाएगा और 5 मार्च को बल्देव में दाऊजी का प्रसिद्ध हुरंगा, नन्दगांव और जाव में हुरंगा आयोजित होगा। इसी के साथ मुखराई में चरकुला नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहेगा तथा 6 मार्च को विश्रामघाट (मथुरा), बठैन और गिडोह में हुरंगा की धूम मचेगी। इसके बाद 9 मार्च को महावन और 12 मार्च को श्री रंगजी मंदिर में होली के साथ सांस्कृतिक एवं लोक कलाओं का भव्य आयोजन होगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के साथ ही जिला प्रशासन भी रंगोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। इस संबंध में ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सूरज पटेल ने बताया कि इस बार ब्रज में होली पर रंग, संस्कृति, संगीत और लोक परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। दूसरी ओर आगरा मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप सिंह ने श्रीकृष्ण की नगरी में विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाली होली के व्यवस्थाओं का निरीक्षण करके आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए हैं।

दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान का राष्ट्रीय अधिवेशन 21 और 22 फरवरी को होगा आयोजित : देश की प्रमुख हस्तियां होंगी कार्यक्रम में शामिल

मथुरा (जीएनएस)। दीनदयाल उपाध्याय के प्रेरणादायी कार्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य एवं अटलबिहारी वाजपेयी के मार्गदर्शन में स्थापित दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 21 और 22 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। श्रीकृष्ण की नगरी में होने जा रहे अधिवेशन में देश की राजनीति और समाज सेवा से जुड़े तमाम प्रमुख हस्ती शामिल होंगी। यह समागम संगठनात्मक दिशा निर्धारण एवं सेवा गतिविधियों के विस्तार पर केंद्रित रहेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक रासबिहारी अग्रवाल, योगेश उपाध्याय आवा, कन्हैया लाल अग्रवाल, अजय कुमार अग्रवाल, सुभाष सैनी, मदनमोहन राजपूत, बाबूलाल सैनी, सौरभ अग्रवाल, पंकज सिंघल और नरेंद्र गौतम ने बताया कि अधिवेशन का शुभारंभ 21 फरवरी को दोपहर 2:30 बजे श्रीजी बाबा आश्रम भूतेश्वर में होगा, जिसमें देश के विभिन्न जिलों से करीब 2 सौ 50 प्रतिनिधि सहभागिता करेंगे। अधिवेशन के दौरान चार चरणों में बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिनमें संगठन विस्तार सेवा, परियोजनाएं और सामाजिक समरसता से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी। बताया कि मुख्य कार्यक्रम 21 फरवरी को श्रीजी बाबा आश्रम भूतेश्वर परिसर में आयोजित किया जाएगा। तैयारियों की बैठक में अजय कुमार अग्रवाल, रासबिहारी अग्रवाल, मदन मोहन राजपूत, सुभाष सैनी, बाबूलाल सैनी, नरेंद्र गौतम, यशपाल चौधरी, आशीष अग्रवाल और डा. रश्मि अग्रवाल समेत कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'सूरत के बाजार में एजेंसियों और दलालों द्वारा की गई धोखाधड़ी के कारण व्यापारी भुगतान में फंसे हुए हैं '

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत।

सूरत शहर, जिसे वस्त्र बाजार और हीरा शहर के नाम से जाना जाता है, एक अंतरराष्ट्रीय बाजार है। इन बाजारों से विदेशों में माल का निर्यात होता है। भारत के कई राज्यों में भी विभिन्न प्रकार के वस्त्रों का व्यापार होता है। ये वस्त्र थोक व्यापारियों से लेकर अर्ध-थोक व्यापारियों तक, एजेंसी और बिचौलियों के नियंत्रण में खुदरा ग्राहकों तक बाजार की नीतियों, नियमों और विनियमों के अनुसार बेचे जाते हैं। थोक व्यापारी अपनी विश्वसनीयता का लाभ उठाते हुए, करोड़ों रुपये का माल देश के अन्य राज्यों और विदेशों में उन्हीं एजेंसियों और बिचौलियों के माध्यम से बेचते थे। इसी भरोसे का फायदा उठाते हुए, एजेंसियां और बिचौलिए माल खरीदने वाले व्यापारियों से अपने नाम पर बिल बनाते थे, कानून के नियमों और विनियमों का उल्लंघन करते हुए, बिचौलिए और एजेंसियों के प्रबंधक अपने नाम पर जल्दी भुगतान ले लेते थे और लंबे समय तक थोक व्यापारियों को भुगतान नहीं करते थे। इससे तंग आकर थोक व्यापारी अंततः माल खरीदने वाले मूल पक्ष को फोन करते हैं, पूरा भोपाल हंगामा मच जाता है और थोक व्यापारी हैरान रह जाते हैं। जब एजेंसियों या बिचौलियों से माल के बकाया भुगतान की मांग की जाती है, तो वे गुस्से में आकर व्यापारियों के सामने हाथ मिला लेते हैं। मीठी-मीठी बातें करने के बाद, एजेंसियों और बिचौलियों के प्रबंधक अंततः अपने खातों के चेक थोक व्यापारियों को देकर मामले को शांत कर देते हैं।

लेकिन ये एजेंसियां और बिचौलिए व्यापारियों द्वारा दिए गए चेक को तय तारीख पर जमा नहीं करते और समय बर्बाद करते हैं, जिससे चेक की तारीख बीत जाने के बाद थोक व्यापारी कोई कानूनी कार्रवाई नहीं कर पाते। पुलिस और अदालती चक्करों से बचने के लिए एजेंसियां और बिचौलिए इसका फायदा उठाते हैं। इस तरह, थोक व्यापारियों के भुगतान नियमों और मानदंडों का उल्लंघन करते हुए, अधिक प्रतिशत काटकर भुगतान ले लेते हैं और एजेंसी प्रबंधक और बिचौलिए हवाई जहाज से यात्रा करते हैं और देश-विदेश में रातें बिताते हैं। वहीं, मूल माल का मालिक, यानी थोक व्यापारी, देश-विदेश में बसों और ट्रेनों से यात्रा करके ग्राहक से बकाया राशि वसूलता है। जब ग्राहक थोक व्यापारियों को बताता है कि उसका भुगतान दो महीने पहले ही हो चुका है, तब व्यापारी के पैरों तले जमीन खिसक जाती है।

इस तरह की कार्यप्रणाली में बिचौलिए और एजेंसियां बंद दुकानों को किराए पर लेती हैं और थोक व्यापारियों से सामान खरीदने के लिए अन्य तीसरे पक्षों को नियुक्त करती हैं, फिर सामान को अन्य लोगों को बेच देती हैं, दुकान की खिड़कियां बंद कर देती हैं और रात भर काम करती हैं, जिससे थोक व्यापारी पीड़ा से कराहते हैं।

अब, इसी तरह, हीरे के कारोबार में भी, हीरा निमार्ताओं के भुगतान खरीदारों द्वारा चुराए जा रहे हैं। अतीत में, कारीगरों को भुगतान न मिलने से निराश होकर निमार्ताओं ने आत्महत्या कर ली है। इस मामले में, खरीदार कच्चे माल का आयात करते हैं और हीरा निमार्ता हीरा कारीगरों से वही माल तैयार करवाकर खरीदारों द्वारा उस पक्ष को निर्यात किया जाता है। खरीदारों द्वारा भुगतान ले लिया जाता है और जब हीरा निमार्ताओं को पता चलता है कि उनके तैयार माल का भुगतान खरीदारों ने ले लिया है, तो खरीदार कपड़ा बाजार के बिचौलियों जैसी नीति अपनाकर हीरा निमार्ताओं को सबक सिखाते हैं। जिसके कारण, हीरा निमार्ता भी पुलिस स्टेशन या अदालत में पकड़े जाने से बचना चाहते हैं, इसलिए व्यापारी उनकी साख का दुरुपयोग करते हैं और इस तरह का अवैध धंधा करते हैं। जब कपड़ा बाजार के व्यापारियों की तरह हीरा निमार्ताओं की भी जांच की जाती है, तो व्यापारियों की धज्जियां उड़ जाती हैं। वही व्यापारी हवाई जहाज से घूमते हैं और रैलियां करते हैं।

यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि जब राज्य के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री मूल रूप से सूरत के निवासी हैं और मजूरागेट क्षेत्र में रहते हैं, तो ऐसे गंभीर अपराधों के लिए सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन में विशेष वस्त्र धोखाधड़ी के मामलों के लिए एक निजी जांच अधिकारी और स्टाफ नियुक्त किया जाना चाहिए, जो केवल वस्त्र संबंधी अपराधों की जांच कर सके। इसी प्रकार, हीरे की धोखाधड़ी के मामलों के लिए महिधरपुरा और वराछा पुलिस स्टेशनों में विशेष निजी जांच अधिकारी और स्टाफ नियुक्त किया जाना चाहिए, जो केवल हीरे की धोखाधड़ी की जांच कर सके।

पीलीभीत: एसपी ने रिजर्व पुलिस लाइन में क्राइम ब्रांच व डायल-112 का निरीक्षण कर दिए महत्वपूर्ण निर्देश

(जीएनएस)।

पीलीभीत, जिले के पुलिस अधीक्षक महोदय ने आज रिजर्व पुलिस लाइन स्थित क्राइम ब्रांच एवं डायल-112 शाखा का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय अभिलेखों, लंबित प्रकरणों, संचार प्रणाली, उपकरणों तथा कार्मिकों की उपस्थिति एवं कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को विभिन्न महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि पुलिस सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार हो सके।क्राइम ब्रांच के निरीक्षण में एसपी महोदय ने लंबित विवेचनाओं के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारन पर जोर दिया। उन्होंने वांछित तथा इनामी अभियुक्तों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा तकनीकी साक्ष्यों का प्रभावी उपयोग करने के स्पष्ट निर्देश जारी किए। इसके अलावा, डायल-112 शाखा को प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देने, न्यूनतम प्रतिक्रिया समय बनाए रखने तथा आमजन के साथ शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने हेतु दिशानिर्देश दिए गए।निरीक्षण के अंत में एसपी महोदय ने साफ-सफाई, अनुशासन बनाए रखने तथा अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर भी कड़ा निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित कार्मिकों को इन बिंदुओं पर सतत निगरानी रखने एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने का आदेश दिया, जिससे पुलिस विभाग की कार्यक्षमता में निरंतर वृद्धि हो सके। यह निरीक्षण जिले में अपराध नियंत्रण एवं जनसेवा को मजबूत बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

खुदा की इबादत के लिए उम्र नहीं हौसले की दरकार

(जीएनएस)।

कस्बा जैदपुर के मोहल्ला वसी नगर में पांच साल की तीन बच्चियों ने रखा पहला रोजा

खुदा की इबादत के लिए उम्र नहीं हौसले की दरकार होती है रमजान के पाक मौके पर ऐसा ही हौसला दिखाया है कस्बा जैदपुर के मोहल्ला वसी नगर में पांच वर्ष लाईबा नूर पुत्री मो. निहाल इंशा नूर और अदीबा नूर पुत्री मो. इफ्तिखार ने नन्हें रोजदारों ने रमजान के पहले दिन ही रोजा रख कर इबादत की अनुकरणी मिसाल पेश की रोजा रखने से जिस्म की बहुत सारी बीमारियों से निजात मिलती है रोजदार गुनाहों से बचते है इस महीने में रोजदार को तरह तरह की नेमतें खाने को मिलती है ये महीना रात दिन अल्लाह की इबादत करने का महीना है इस महीने में रोजदार परहेजगार बन जाते है ये महीना आपको साल भर जिन्दगी की तरह गुजारनी है नमाज कुरआन की आदत डालना और गरीबों की मदद करने का आदि बनाता है इस महीने में रमजान की रौनक देखने को मिलती है बाजार सज जाते है

नियो-क्लासिक सेगमेंट में बदलाव लाने वाली जावा 42 अब आइवरी रंग में

लखनऊ। जावा येजदी मोटरसाइकिल्स में नियो-क्लासिक सेगमेंट की शुरूआत करने वाली मोटरसाइकिल जावा 42 अब नए आइवरी रंग में पेश की गई है। यह नया पेस्टल शेड दुनिया भर में बढ़ती उस पसंद को दशार्ता है, जिसमें लोग सांस्कृतिक शोर से राहत पाने के लिए नरम और सुकून देने वाले रंग चुन रहे हैं। यह ट्रेंड 2026 के कलर ऑफ द ईयर में भी दिखाई देता है। '42' नंबर की रेट्रो लिवरी और डेकल्स नई जावा 42 आइवरी को एक शांत लेकिन अलग पहचान देते हैं।

जावा येजदी मोटरसाइकिल्स के सह-संस्थापक अनुपम थरेजा ने कहा, 'जावा 42 ने 2018 में क्लासिक मोटरसाइकिल की परिभाषा बदल दी। इसने दिखाया कि भारतीय राइडर एक सच्चे नियो-क्लासिक से क्या उम्मीद कर सकता है। अपने बोल्ड डिजाइन, मजबूत परफॉर्मेंस इंजीनियरिंग, सुरक्षा और राइडर-फर्स्ट फीचर्स के साथ जावा 42 आज भी एकरूपता का तोड़ है। जो लोग जावा 42 चुनते हैं, वे शोर से दूर हटकर अपनी खुद की कहानी गढ़ते हैं, ट्रेंड्स की जल्दबाजी से परे और दिखावे की चिंता से मुक्त। आइवरी रंग के साथ हम इसी भावना को पहचान दे रहे हैं। यह रंग राइडर्स को अपनी गति से जावा की शांत और अलग पहचान का एहसास दिलाता है। '42' हमारे लिए सच्ची जिज्ञासा का प्रतीक है। जावा हमेशा रेट्रो नियमों को नए तरीके से पेश करेगा, बातचीत, यादें और खोज को प्रेरित करता रहेगा।'

जावा 42 खुद में उन युवाओं के लिए एक स्टेटमेंट है जो अपनी अलग पहचान को महत्व देते हैं। इसने 2018 में डिजाइन-फर्स्ट सिल्हूट और खास पेस्टल रंगों के साथ मोनोक्रोम क्लासिक सेगमेंट में बदलाव लाया। 42 की रंगीन और स्पोर्टी पहचान ने असली रेट्रो-कूल को नई परिभाषा दी, जिसे टैंक के नीचे मजबूत परफॉर्मेंस इंजीनियरिंग का साथ मिला। शुरूआती पेस्टल रेंज ने मिड-साइज क्लासिक्स की ग्रे दुनिया को चुनौती दी, जो तब एक जैसे डिजाइन और साधारण प्रदर्शन से भरी हुई थी।

एचडीएफसी बैंक उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में 'मेगा कार लोन मेला' आयोजित करेगा

लखनऊ,: भारत का लीडिंग प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में इस साल का पहला 'मेगा कार लोन मेला' आयोजित कर रहा है। इस मेगा कार लोन मेले में दोनों राज्यों की 500 से ज्यादा ब्रांच इसमें हिस्सा लेंगी। इस आयोजन का मकसद 'एक्सप्रेस कार लोन' को प्रमोट करना है, जो कार खरीदने वालों के लिए एक कॉम्प्रिहेंसिव और ज्यादा सुविधाजनक, डिजिटल सफर है और इसमें टाइम भी बचता है।

'एक्सप्रेस कार लोन' एचडीएफसी बैंक की तरफ से पूरी तरह से डिजिटल लोन ऑफर है, जिससे कस्टमर्स को कार लोन के लिए तुरंत अप्रूवल और डिसबर्समेंट मिलता है, जिसमें फंड सीधे डीलर को ट्रांसफर किया जाता है। एक्सप्रेस कार लोन 30 मिनट के अंदर कार लोन डिसबर्समेंट प्रोसेस को इनेबल करता है।

एचडीएफसी बैंक ने लीडिंग ऑटोमोबाइल डीलरशिप के साथ पार्टनरशिप की है जो लेटेस्ट ऑटोमोबाइल मॉडल्स डिस्प्ले करेंगे, जिससे कस्टमर्स टेस्ट ड्राइव ले सकेंगे, अपनी पसंद के मॉडल के बारे में ज्यादा जान सकेंगे और जरूरत पड़ने पर खरीदने के लिए लोन ले सकेंगे। साथ ही, बैंक पात्र ग्राहकों को मौके पर ही ऋण स्वीकृत करेगा।

'मेगा कार लोन मेला' का उद्देश्य ऑटो डीलरों और खरीदारों को एक छत के नीचे लाना है, ताकि कार खरीदने और न्यूनतम दस्तावेजीकरण के साथ ऋण प्राप्त करने के ग्राहक अनुभव को बढ़ाया जा सके।

एचडीएफसी बैंक के उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शाखा बैंकिंग प्रमुख, श्री मुस्कान सिंह ने इस पहल पर बोलते हुए कहा, 'एचडीएफसी बैंक में, हम ग्राहकों के लिए कार खरीदने की यात्रा को सहज और सुविधाजनक बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ऑटो डीलरों और वित्तपोषण समाधानों को एक छत के नीचे लाकर, हमारा लक्ष्य ग्राहकों को ऋण तक तेज पहुंच, अधिक विकल्प और सरलीकृत खरीदारी अनुभव प्रदान करना है। हमें विश्वास है कि यह पहल ग्राहक की कार स्वामित्व यात्रा में एक मूल्यवान कड़ी साबित होगी।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

पन्नू की नाकाम हत्या की साजिश में बुरे फंसे निखिल गुप्ता

एक भारतीय व्यक्ति ने शुक्रवार को न्यूयार्क में सिख अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिह पन्नू की 2023 में हत्या की नाकाम साजिश रचने के आरोप में दोष स्वीकार किया है। पता नहीं पिछले वुछ दिनों से भारत और अमेरिका के ग्रह टकरा रहे हैं। एक के बाद एक नई समस्या खड़ी होती जा रही है। पहले गौतम अडानी का मामला फंसा, फिर भारत-अमेरिका ट्रंप डील पर विवाद खड़ा हो गया और अब पन्नू की हत्या की साजिश में मामला पंस गया है। अमेरिकी अखबार न्यूयार्व टाइम्स ने लिखा है कि यह उस मामले में पहली बार अपराध स्वीकार किया गया है जिसे कनाडा और अमेरिका के अधिकारियों ने भारत सरकार की ओर से असंतुष्टों की हत्या के अभियान से जुड़ा बताया था। अमेरिका में भारतीय मूल के निखिल गुप्ता ने अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिह पन्नू की हत्या की कथित साजिश रचने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। इस मामले की सुनवाई न्यूयार्व की एक अदालत में हो रही है। अटाना के दफ्तर से जारी हुए बयान के मुताबिक गुप्ता ने हत्या के लिए सुपारी देने, हत्या की साजिश रचने के साथ ही मनी लांड्रिंग की साजिश से जुड़े तीनों आरोपों को स्वीकार कर लिया है। गुप्ता को 27 मई को सजा सुनाई जाएगी। अमेरिका में इन तीनों आरोपों में सम्मिलित तौर पर 40 साल की सजा हो सकती है। गुप्ता के 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक से गिरफ्तार किया गया था और बाद में उसका प्रात्यर्पण किया गया। आरोप है कि निखिल गुप्ता ने ये साजिश भारतीय सरकारी कर्मचारी रहे विकास यादव के कहने पर रची, इस संबंध में विकास यादव को सीसी-1 कहकर संबोधित किया गया है। इस संबंध में मार्च 2025 में ही विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वो (विकास यादव) अब भारत सरकार के कर्मचारी नहीं है। आरोप पत्र के मुताबिक 2023 में यादव ने गुप्ता को हत्या का काम सौंपा था। यादव के कहने पर गुप्ता ने एक ऐसे व्यक्ति से संपर्व किया जो असलियत में अमेरिका की जांच एजेंसी डीईए का ही अंडरकवर एजेंट था विकास यादव ने एक सहयोगी के जरिए इस हिटमैन को अग्रिम भुगतान के तौर पर 15 हजार डालर दिए। 2023 में ही विदेश मंत्रालय ने कहा था कि निखिल गुप्ता को तीन बार चेक गणराज्य में काउंसलर मदद दी गई। यूं तो मामला अमेरिका में 2023 से चर्चा में है, लेकिन इस मामले में इस हालिया घटनाव्रम की टाइमिग को भी अहम माना जा रहा है। जब भारत और अमेरिका के संबंध बहुत सहज नहीं हैं और दोनों देशों के बीच ट्रेड को लेकर एक व्यापार के अंतरिम समझौते के अगले महीने तक आखिरी रूप लेने की उम्मीद है। ऐसे में भारत के लिए आगे की राह आसान नहीं दिखती। न्याय विभाग ने पन्नू की हत्या को साजिश और 18 जुलाई को कनाडा में खालिस्तानी निज्जर की हत्या के बीच कई लिक जोड़े हैं। एफबीआई के सहायक निदेशक रोमन रोज से जावस्की ने कहा अमेरिकी नागरिक सिर्प बोलने की आजादी का इस्तेमाल करने के लिए ट्रांसनेशनल रिप्रोशन का निशाना बना। यानी दमन के लिए किसी दूसरे देश की धरती का इस्तेमाल की साजिश है। इन शब्द का इस्तेमाल कनाडाई अधिकारियों ने कनाडा में निज्जर की हत्या पर किया था। भारत सरकार के इशारे पर की गई बताई गई है जिसे भारत सिरे से खारिज कर चुका है। भारत ने पिछले साल नवम्बर में अमेरिका की ओर से उठाई गई सुरक्षा चिताओं पर विचार करने के लिए एक उच्चस्तरीय जांच एजेंसी गठित की थी। अक्टूबर 2024 में भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की थी कि पन्नू के खिलाफ नाकाम हत्या की साजिश से जुड़े अमेरिकी न्याय विभाग के अभियोग में जिस व्यक्ति (विकास यादव) का नाम सामने आया था, वह अब भारत सरकार की सेवा में नहीं है। मूल अभियोग में सरकारी अधिकारी को सीसी-1 कहा गया था। अक्टूबर 2024 में ही अमेरिकी अधिकारियों ने दूसरा संशोधित अभियोग सार्वजनिक किया, जिसमें सीसी-1 की पहचान विकास यादव के रूप में की गई। बाद में विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश विभाग ने हमें सूचित किया कि अभियोग में उल्लेखित व्यक्ति अब भारत में कार्यरत नहीं है।

'एक पौधा प्रति दिन' संकल्प के 5 वर्ष : श्री शिवराज सिंह चौहान का हरित व्रत अब राष्ट्रीय जनआंदोलन की ओर

कृषि मंत्रालय, आईसीएआर, कृषि विश्वविद्यालयों, केवीके, ग्रामीण विकास विभाग के सभी कार्यक्रम पौधारोपण से शुरू होंगे- श्री शिवराज सिंह

स्वागत में स्मृति चिन्ह के स्थान पर पेड़ लगाकर फोटो देने की अपील - श्री शिवराज सिंह

पेड़ बैंक और 'अंकुर' जैसे मंच के जरिए देशव्यापी महाअभियान की रूपरेखा- श्री शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के 'एक पौधा प्रति दिन' संकल्प के पाँच वर्ष पूर्ण होने पर आज नई दिल्ली में पूसा स्थित ए.पी. शिंदे हॉल में आयोजित विशेष कार्यक्रम ने उनके व्यक्तिगत व्रत को राष्ट्रीय हरित जनआंदोलन का स्वर देने की दिशा में ठोस कदमों को जन्म दिया। मंच से उन्होंने अपने विभागों के सभी कार्यक्रमों की शुरूआत पौधारोपण से करने का निर्देश देने के साथ ही स्वागत में स्मृति चिन्ह के स्थान पर पेड़ लगाकर फोटो भेंट करने की अपील की, वहीं पेड़ बैंक और 'अंकुर' जैसे मंच की अवधारणा रखी। समारोह में साध्वी दीदी माँ ऋतंभरा, पर्यावरणविद् डॉ. अनिल जोशी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (कउअफ) के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट, श्रीमती साधना सिंह और वरिष्ठ पत्रकार श्री आशुतोष झा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस मौके पर प्रारंभ में पूसा परिसर में पौधारोपण किया।

नर्मदा यात्रा से 'अंकुर अभियान' तकः हरित पृष्ठभूमि

श्री चौहान ने कार्यक्रम में बताया कि यह संकल्प किसी एक दिन की भावनात्मक प्रेरणा से नहीं, बल्कि वर्षों से विकसित पर्यावरणीय दृष्टि से उपजा है। 2017 में उनके नेतृत्व में निकली ऐतिहासिक नर्मदा सेवा यात्रा के समापन पर मध्य प्रदेश में 6 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए, जिसने नदी, जंगल और जलवायु संरक्षण को जनआंदोलन में बदल दिया। इसी क्रम में 'अंकुर अभियान' शुरू किया गया, जिसमें नागरिकों को पौधा लगाकर

उसकी फोटो/सेल्फी पोर्टल पर अपलोड करने और उसकी रक्षा का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया गया; इस अभियान के माध्यम से लगभग 1 करोड़ पौधे लगाए गए और समाज के विभिन्न वर्ग इस हरित यात्रा से जुड़े। समय के साथ यह पहल मध्यप्रदेश से आगे बढ़कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयाम ले चुकी है; जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, विशेष अवसरों पर लोगों ने पौधे लगाकर इस यात्रा को अपना व्यक्तिगत उत्सव बना लिया है।

हर कार्यक्रम की शुरूआत पौधारोपण से

श्री चौहान ने मंच से घोषणा की किः - कृषि मंत्रालय के सभी कार्यक्रमों की शुरूआत अब पौधारोपण से करने की अपील।

- आईसीएआर के डीजी से उन्होंने कहा- आईसीएआर के अधीन हर कार्यक्रम, सेमिनार, सम्मेलन व समारोह पेड़ लगाकर ही शुरू करें।

- कृषि विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में पहले पेड़ लगाए जाएंगे और विद्यार्थियों से संकल्प दिलवाया जाएगा कि वे जीवनभर अपने जन्मदिन पर पौधा लगाएंगे।

- केवीके, एग्रीकल्चर कॉलेज और रिसर्च से जुड़े किसी भी आयोजन की शुरूआत पेड़ लगाकर करें ।

उन्होंने कहा कि जब कृषि विभाग अपने हर कार्यक्रम की शुरूआत पेड़ लगाकर करेगा तो सहज ही बड़ी संख्या में पौधे लगते चले जाएँगे और इससे बेहतर शुरूआत होगी।

स्मृति चिन्ह बंद, 'पेड़ लगाकर फोटो भेजो': सम्मान की नई परंपरा

श्री चौहान ने अपने लिए एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत निर्णय साझा किया कि अब वे अपने स्वागत में फूल-मालाएँ, पटका या स्मृति चिन्ह स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अक्सर सम्मान व्यक्ति से अधिक पद का होता है और पद समाप्त होने पर वही भीड़ गायब हो जाती है; इसलिए इस भ्रम से बाहर निकलना आवश्यक है। किसी भी संस्था या व्यक्ति को यदि उनका स्वागत करना है, तो वह पाँच सौ रुपये के स्मृति चिन्ह की जगह पाँच पौधे लगाए और उसकी फोटो उन्हें भेंट करे झ वही उनके लिए सच्चा अभिनंदन होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कपड़े के पटके या माला का बाद में कोई उपयोग नहीं होता, जबकि उसी खर्च में लगाए गए पेड़ आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवनदायी धरोहर बन जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि उनके मंत्रालय और अन्य आयोजकों को स्मृति चिन्ह की

गूगल और अल्फाबेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सुंदर पिचाई ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भारत जीआई कॉफी लाउंज का दौरा किया

वैश्विक प्रतिनिधियों ने एआई इम्पैक्ट समिट में भारत के जीआई-टैग्ड कॉफी शोकेस का अनुभव किया

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने भारत के जियोग्राफिकल इंडिकेशन प्रोडक्ट्स को ग्लोबली दिखाने के लिए यूनिफाइड नेशनल ब्रांड के तौर पर 'भारत जीआई' लॉन्च किया

प्रविष्टि तिथिः 19 ऋइ 2026 5:41ढट ु८ ढक्ह ऊे

गूगल और अल्फाबेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सुंदर पिचाई ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा आयोजित भारत जीआई कॉफी लाउंज का दौरा किया। मालाबार अरेबिका का स्वाद लेते हुए श्री पिचाई ने बरिस्ता से बातचीत की और भारत की प्रीमियम जीआई-टैग्ड कॉफी के रिच फ्लेवर का अनुभव किया।

फिनलैंड, फ्रांस, जापान, नाइजीरिया, बोत्सवाना, लिथुआनिया, कजाकिस्तान, पोलैंड और जर्मनी के प्रतिनिधियों ने भी कई अन्य देशों के अलावा कॉफी एक्सपीरियंस सेंटर का दौरा किया। उन्होंने भारत की जीआई कॉफी विरासत में गहरी रुचि व्यक्त की। फिनलैंड के प्रतिनिधि ने विशेष रूप से मानसून मालाबार अरेबिका के मधुर, स्मूद स्वाद की सराहना की। उन्होंने इसके अद्वितीय चरित्र और विशिष्ट प्रसंस्करण परंपरा की प्रशंसा की जो इसे वैश्विक मंच पर विशेष स्थान प्रदान करती है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने पर इस पल को पोस्ट किया, 'जब @र४ल्लर्१द्रूँ इसका स्वाद लेने के लिए आते हैं, तो आप जानते हैं कि यह वास्तव में इसके लायक है!

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दूसरे दिन भारत जीआई कॉफी एक्सपीरियंस सेंटर, हॉल 14 प्रथम तल का दौरा किया

और भारत की जीआई-रजिस्टर्ड कॉफी की रिचनेस का उत्सव मनाया। उन्होंने बताया कि कैसे ज्योग्राफिकल इंडिकेशन ऑथेंटिसिटी को बनाए रखते हैं, स्थानीय समुदाय को मजबूत बनाते हैं, और भारत के अलग-अलग तरह के कॉफी ओरिजिन को ग्लोबल पहचान दिलाते हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में, भारत जीआई कॉफी भारत के विशेष ज्योग्राफिकल इंडिकेशन उत्पादों की खूबी का उत्सव मनाने वाले विशेष शोकेस के जरिए दुनिया भर का ध्यान खींच रही है। 16-20 फरवरी तक नई दिल्ली में हो रहे सबसे बड़े एआई इवेंट ने 'भारत जीआई' नाम की नई राष्ट्रीय पहल के हिस्से के तौर पर दुनिया भर का ध्यान खींचा।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारत जीआई को समेकित राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा ब्रांड के तौर पर पेश किया है। इसका उद्देश्य 'ए वर्ल्ड एक्सक्लूसिव' टैगलाइन के साथ भारत के विशेष जीआई उत्पादों को दुनिया भर में दिखाना है। डीपीआईआईटी, कॉफी बोर्ड के साथ मिलकर इस ऐतिहासिक आयोजन में आगंतुकों को देश के समृद्ध, अलग-अलग फ्लेवर और भारतीय कॉफी की विरासत का शानदार अनुभव दे रहा है।

हॉल नंबर 14 फर्स्ट फ्लोर पर बने कॉफी एक्सपीरियंस सेंटर ने कई जिज्ञासु लोगों को अलग-अलग भारतीय जीआई रजिस्टर्ड कॉफी को एक्सप्लोर करने और अनुभव करने के लिए आकर्षित किया। कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि टिकाऊ तरीके से छाया में उगाई गई, हाथ से चुनी गई और प्राकृतिक धूप में सुखाई गई भारत जीआई कॉफी का स्वाद लेने आए हैं।

डीपीआईआईटी और राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद ने नवोन्मेषण को बढ़ावा देने और उद्योग की रूपरेखा को विजन 2047 के अनुरूप बनाने के लिए 'बॉयलर पर चिंतन शिविर' का आयोजन किया

डीपीआईआईटी और राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद ने नवोन्मेषण को बढ़ावा देने और उद्योग की रूपरेखा को विजन 2047 के अनुरूप बनाने के लिए 'बॉयलर पर चिंतन शिविर' का आयोजन किया

(जीएनएस)। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) के सहयोग से हैदराबाद में 'बॉयलर पर चिंतन शिविर' का आयोजन किया।

चिंतन शिविर का आयोजन नवोन्मेषण को बढ़ावा देने, नीति कार्यान्वयन की समीक्षा करने और "विजन 2047" जैसे दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ रणनीतियों को संयोजित करने के उद्देश्य से सहयोगात्मक और दूरदर्शी चचाओं के माध्यम से किया गया था। विचार-विमर्श में इस इकोसिस्टम के सभी प्रमुख हितधारकों को शामिल करते हुए बॉयलर उद्योग के लिए एक रूपरेखा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद की महानिदेशक श्रीमती नीरजा शेखर, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के संयुक्त सचिव श्री जय प्रकाश शिवहरे और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के केंद्रीय बॉयलर बोर्ड के तकनीकी सलाहकार (बॉयलर) एवं सचिव श्री संदीप सदानंद कुम्भार उपस्थित थे। राज्य सरकारों, बॉयलर निमार्ताओं, बॉयलर उपयोगकताओं, तृतीय पक्ष निरीक्षण प्राधिकरणों (टीपीआईए) और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधियों ने भी विचार-विमर्श में भाग लिया।

प्रतिभागियों को सूचित किया गया कि भारत सरकार ने बॉयलर अधिनियम 1923, जो संविधान-पूर्व का कानून है, की वर्तमान संदर्भ में उपयुक्तता और प्रासंगिकता का आकलन करने के लिए उसकी समीक्षा की थी। चूंकि यह अधिनियम जीवन और संपत्ति की सुरक्षा से संबंधित है, इसलिए इसके प्रावधानों की समीक्षा और अद्यतन करते हुए इसे यथावत रखने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, अधिनियम की समीक्षा की गई और इसे बॉयलर अधिनियम, 2025 के रूप में पुनः अधिनियमित किया गया, जो 1 मई 2025 से प्रभावी है। चिंतन शिविर ने पुनः अधिनियमित अधिनियम पर फीडबैक प्राप्त करने और बॉयलर उद्योग को नियंत्रित करने वाले विनियामकीय ढांचे को और सुदृढ़ करने के लिए सुझाव आमंत्रित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

शिविर के दौरान आयोजित तकनीकी सत्रों में बॉयलर अधिनियम, 2025 और उसके अंतर्गत निर्मित नियमों एवं विनियमों, व्यापार सुगमता और तृतीय-पक्ष निरीक्षण प्राधिकरणों एवं सक्षम व्यक्तियों की भूमिकाओं एवं उत्तरदायित्वों पर चर्चा की गई। उद्योग विशेषज्ञों ने पुराने बॉयलरों के शेष जीवन आकलन, बॉयलर निर्माण में उन्नत प्रौद्योगिकियों और सुपरक्रिटिकल बॉयलरों की स्थापना के दौरान आने वाली चुनौतियों पर विशेष सत्र भी आयोजित किए।

कार्यक्रम का समापन एक पैनल चर्चा के साथ हुआ, जिसके बाद एक खुली बातचीत का आयोजन किया गया, जिसमें हितधारकों को बॉयलर क्षेत्र में सुरक्षा मानकों को बरकरार रखते हुए नियमों और विनियमों को युक्तिसंगत बनाने, अनुपालन के बोझ को कम करने और व्यापार करने में सुगमता बढ़ाने हेतु सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

भू-विज्ञान मंत्रालय ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में 'एआई फॉर ओशन्स ऑफ टुमॉरोः डेटा, मॉडल्स एंड गवर्नेंस' पर चर्चा की

(जीएनएस)। भू-विज्ञान मंत्रालय ने 16 से 20 फरवरी 2026 तक नई दिल्ली में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के हिस्से के तौर पर 'एआई फॉर अवर ओशन्स ऑफ टुमॉरोः डेटा, मॉडल्स एंड गवर्नेंस' विषय पर उच्च-स्तरीय पैनल चर्चा का आयोजन किया।

पैनल में शामिल विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत के समुद्री प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, समुद्री आजीविका और नीली अर्थव्यवस्था के विकास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस सत्र में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय हस्तियां, वैज्ञानिक, उद्योगपति, स्टार्टअप और वित्तीय विशेषज्ञ समुद्री विज्ञान और नीति के साथ एआई के एकीकरण पर विचार-विमर्श करने के लिए एकत्रित हुए।

मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. एम. महपात्रा ने मुख्य भाषण देते हुए जलवायु नियंत्रण, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, खाद्य सुरक्षा और आजीविका में महासागरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने

महासागर अवलोकन, चक्रवात पूवार्नुमान, समुद्री डेटा प्रणालियों और प्रारंभिक चेतावनी सेवाओं में भारत की मजबूत राष्ट्रीय क्षमताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि तकनीकी प्रगति ने विपरीत मौसम के दौरान होने वाली जानमाल की हानि को काफी हद तक कम कर दिया है। उन्होंने अपने भाषण में विशेष रूप से महासागरों का गर्म होना, अम्लीकरण और समुद्र स्तर में वृद्धि जैसे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के संदर्भ में पारंपरिक भौतिक मॉडलों के पूरक के रूप में डेटा-आधारित और एआई-सक्षम मॉडलों के महत्व पर बल दिया। इसमें डीप ओशन मिशन को गहरे समुद्र की खोज, अपतटीय ऊर्जा, जैव विविधता संरक्षण और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग पर केंद्रित एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इस सत्र को संबोधित करते हुए भारत में नॉर्वे की राजदूत सुश्री मे-एलिन स्टेनर ने महासागरों और नीली अर्थव्यवस्था में भारत-नॉर्वे के बढ़ते सहयोग पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि जब एआई को खुले, अंतरसंचालनीय और विश्वसनीय डिजिटल आधारों पर विकसित किया जाता है, तो यह मत्स्य प्रबंधन, जहाजरानी दक्षता, बंदरगाह संचालन और तटीय मजबूती को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकता है। सुश्री स्टेनर ने कहा कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना में भारत का अग्रणी होना इसे खुले डेटा, साझा मानकों और जिम्मेदार डिजिटल प्रबंधन पर आधारित एक वैश्विक डिजिटल महासागर ढांचा विकसित करने में सक्षम बनाएगा, जिससे न केवल भारत बल्कि वैश्विक समुदाय को भी लाभ होगा।

सत्र के उत्तरार्ध में सरकार, शिक्षा जगत, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की एक पैनल चर्चा हुई। पैनल ने विचार-विमर्श किया कि भारत खुले डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) संचालित बुद्धिमत्ता और सुदृढ़ शासन ढांचे को एकीकृत करने वाले डिजिटल महासागर अवसंरचना विकसित करके वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करने के लिए विशिष्ट रूप से सक्षम है।

भारत एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 में वैश्विक नेताओं ने एआई के प्रसार, अवसंरचना और समावेशी शासन पर विचार-विमर्श किया

अमेरिका, यूएई और कोस्टा रिका ने नवाचार, साझेदारी और दायित्वपूर्ण विनियमन पर केंद्रित राष्ट्रीय एआई रणनीतियों की रूपरेखा प्रस्तुत की

पैनल ने संदर्भ-संवेदनशील एआई सुशासन और विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत बहुपक्षीय सहयोग का आ'ान किया

अवसंरचना, नवाचार, दायित्वपूर्ण विनियमन और वैश्विक सहयोग को एआई के व्यापक लाभ सुनिश्चित करने की कुंजी के रूप में पहचाना गया

(जीएनएस)। इंडिया एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 में एक उच्च स्तरीय पैनल ने एआई के प्रसार के अर्थ, बुनियादी ढांचे और नवाचार के लिए राष्ट्रीय रणनीतियों और वैश्विक सहयोग और विनियमन की विकसित होती संरचना पर विचार-विमर्श किया। इस सत्र में कोस्टा रिका की

विज्ञान, नवाचार, प्रौद्योगिकी और दूरसंचार मंत्री महामहिम पाउला बोगेंटेस जमोरा; संयुक्त अरब अमीरात के आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस, डिजिटल अर्थव्यवस्था और दूरस्थ कार्य अनुप्रयोगों के राज्य मंत्री महामहिम उमर अल ओलामा; व्हाइट हाउस में एआई के लिए वरिष्ठ नीति सलाहकार श्री राम कृष्णन और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. समीर सरन ने भाग लिया।

श्री श्रीराम कृष्णन ने संयुक्त राज्य अमेरिका की एआई प्राथमिकताओं की रूपरेखा प्रस्तुत की, जो तीन प्रमुख स्तंभोंः विश्व स्तरीय एआई अवसंरचना का निर्माण, नवाचार को बढ़ावा देना और सहयोगी देशों के साथ साझेदारी को मजबूत करने पर आधारित हैं। उन्होंने डेटा सेंटर क्षमता और कंप्यूटिंग अवसंरचना के विस्तार के महत्व पर प्रकाश डाला, साथ ही यह सुनिश्चित करने पर भी बल दिया कि लागत वहनीय हो और ऊर्जा स्थिरता बनी रहे। उद्यमियों और प्रौद्योगिकी निमार्ताओं की भूमिका पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि नवाचार को अत्यधिक नौकरशाही से बाधित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने नियामक स्पष्टता और पूवार्नुमान की आवश्यकता पर बल दिया ताकि नवप्रवर्तक निश्चितता के साथ काम कर सकें, साथ ही बाल संरक्षण, बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की रक्षा भी हो सके। उन्होंने वैश्विक स्तर पर साझा एआई क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी सहयोग और सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखलाओं सहित अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के महत्व को भी रेखांकित किया।

महामहिम उमर अल ओलामा ने

एपेडा ने तमिलनाडु से कनाडा के लिए जीआई-टैग वाले सलेम साबूदाने की पहली खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

(जीएनएस)। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपेडा) ने तमिलनाडु के सलेम से कनाडा को 0.5 मीट्रिक टन जीआई-टैग युक्त सलेम साबूदाना के निर्यात को सुगम बनाया। मार्च 2023 में उत्पाद को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त होने के बाद, यह जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता, सागोसर्व द्वारा सीधे भेजा गया पहला निर्यात है।

तमिलनाडु टैपिओका साबूदाना का सबसे बड़ा उत्पादक है। सलेम को लंबे समय से देश के साबूदाना और स्टार्च उद्योग के केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। साबूदाना टैपिओका की जड़ों से प्राप्त होता है और भारत के कई हिस्सों में मुख्य भोजन के रूप में उपयोग किया जाता है।

तमिलनाडु सरकार के अधीन सागोसर्व को मार्च 2023 में सलेम साबूदाने के लिए जीआई पंजीकरण प्राप्त हुआ। इस संस्था में 334 पंजीकृत सदस्य-निमार्ता हैं और यह अपने सदस्यों द्वारा उत्पादित साबूदाने और स्टार्च के विपणन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही यह संस्था भंडारण, गुणवत्ता सुधार उपायों और टैपिओका की खेती और साबूदाने के प्रसंस्करण मानकों को बेहतर बनाने जैसी आवश्यक सेवा सुविधाएं भी प्रदान करती है।

सलेम का साबूदाना उद्योग टैपिओका की खेती में लगे जनजातीय समुदायों सहित बड़ी संख्या में किसानों को आजीविका प्रदान करता है। जीआई-प्रमाणित उत्पादन को सीधे निर्यात के अवसरों से जोड़कर, इस पहल ने टैपिओका की खेती पर निर्भर किसान परिवारों के लिए बेहतर मूल्य प्राप्ति और आय की संभावनाओं को मजबूत किया है।

परंपरागत रूप से, सलेम साबूदाने की आपूर्ति महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के व्यापारियों को की जाती रही है और इसे अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, वियतनाम और सिंगापुर जैसे देशों में निर्यात किया जाता है। हालांकि, यह खेप जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता संस्था द्वारा किया गया पहला सीधा निर्यात था।

अन्य प्रमुख बाजारों में निर्यात की संभावनाओं को तलाशने के लिए, 18 फरवरी 2026 को तमिलनाडु के सलेम स्थित सलेम स्टार्च एंड सैगो मैन्युफैक्चरर्स सर्विस इंडस्ट्रियल कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के परिसर में एक निर्यात-केंद्रित कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

यह पहल जीआई-टैग वाले उत्पादों को बढ़ावा देने, उत्पादक समितियों और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के बीच सीधे बाजार संपर्क स्थापित करने और भारत से मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ाने की एपीईडीए की रणनीति के अनुरूप है, और निकट भविष्य में इस तरह के और भी कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है।

सूरत के औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों का शोषण और भ्रष्ट भवन प्रबंधन

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत

सूरत शहर के सचिन, सूदा, कनकपुर, कंसद, पालीगम, तलंगपुर, पलसाना, कडोदरा, जोलवा, तातिथैया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में, साथ ही हजीरा, किम, पिपोदरा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में भी, कामगार वर्ग के लिए 8७8 या 10७10 के कमरे उन इमारतों में बनाए जा रहे हैं जिनमें हवा नाम की कोई चीज नहीं है। लेकिन हर कमरे में, जहां सांस लेना मुश्किल है, 5 से 7 लोग किराए पर रह रहे हैं।

उपरोक्त क्षेत्रों के पदाधिकारियों और अधिकारियों की मिलीभगत से इन इमारतों का निर्माण करने वालों को फायदा हो रहा है, जिसके चलते बेतरतीब ढंग से इमारतें बन रही हैं और कामगार वर्ग का आर्थिक शोषण हो रहा है।

इन इमारतों का निर्माण करने वाले छोटे-बड़े व्यवसाय करके पैसा कमाते हैं और निर्माण का कोई ज्ञान या अनुभव न होने के बावजूद, वे किसी वास्तुकार या सिविल इंजीनियर से सलाह लिए बिना या भवन योजना और नक्शे प्रस्तुत किए बिना ही इस प्रकार, कारखाने में रहने वाले मजदूर 8७8 या 10७10 के कमरों में जेल की कोठरियों की तरह रहते हैं। क्योंकि गर्मियों में इन कमरों में रहने वाले मजदूरों की हालत बेहद खराब हो जाती है। एक ओर, अगर कोई मजदूर कारखाने की गर्मी से थककर घर आता है, तो हवा और रोशनी न होने के कारण कमरों की भीषण गर्मी से परेशान होकर पसीने से तरबतर हो जाता है। यह उसके स्वास्थ्य के लिए खतरा बन जाता है।

जो लोग इस तरह की इमारतें बनाते हैं, वे ऊपरी हिस्से में कमरे बनाते हैं और निचले हिस्से में दुकानें बनाते हैं। वे इन दुकानों को खुद को या अपने करीबी रिश्तेदारों को किराए पर देते हैं और उनमें एक किराने की दुकान भी खोलते हैं।

वे अन्य दुकानों को भी दूसरों को किराए पर देते हैं और उनसे किराया वसूलते हैं। अब चूंकि किराने की दुकान भी इमारत के मालिक या उसके करीबी रिश्तेदारों की ही होती है, तो फिर यह कैसे हो सकता है कि उसके कमरों में रहने वाले मजदूर उसकी अपनी दुकान से ही किराने का सामान न खरीदकर दूसरी दुकानों से ही खरीदें ? इस तरह व्यापारी मजदूर वर्ग का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, उल्लासनगर के नकली और घटिया सामान जैसे साबुन, टूथपेस्ट, तेल आदि को ब्रांडेड सामान बताकर बेचा जाता है और असली सामान की कीमत वसूल की जाती है। इसके लिए मजदूरों की मासिक डायरी बनाई जाती है। जिसमें दाल, चावल, फलियां और राशन से संबंधित सभी खाद्य पदार्थों को घटिया बताकर ब्रांडेड सामान बताकर पैसे वसूले जाते हैं।

जब डायरी का मासिक हिसाब-किताब किया जाता है, तो भुगतान करते समय मजदूर सामान की ऊंची कीमत या गुणवत्ता की तुलना नहीं करते हैं। इस कारण दुकानदार कुल राशि में गलती कर देता है और डायरी में लिखी राशि ही दुकानदार को दे देता है, जिसके बाद मजदूर चला जाता है। दुकानदार द्वारा बेचा गया सामान घटिया गुणवत्ता का होता है, जो मजदूरों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। जिसके कारण उनका स्वास्थ्य खराब हो जाता है। लेकिन दीर्घकाल में इसका प्रभाव यह है कि श्रमिकों में बीमारी की दर बढ़ रही है। यह चिंता का विषय है। इस संबंध में, स्वास्थ्य विभाग और वजन विभाग द्वारा खाद्य एवं किराना दुकानों में बिकने वाली अस्थायी वस्तुओं की नियमित जांच आवश्यक है। हालांकि, इस मामले में सरकारी व्यवस्था गहरी नींद में है।

ऊपर निर्मित इमारतों में 8x8 या 10x10 आकार के 50 से 100 कमरे हैं, और ये कमरे कैसे बनाए जा रहे हैं? इसका कारण यह है कि इन इमारतों का निर्माण करने वाले लोग सूरत नगर निगम, सुदा, नगर पंचायत या अन्य पंचायतों के निर्वाचित पदाधिकारियों और सरकारी अधिकारियों द्वारा "नियंत्रित" हैं।

इन भ्रष्ट अधिकारियों और पदाधिकारियों के "पाप" के कारण, किराया वसूलने वाले औद्योगिक क्षेत्रों में अव्यवस्थित इमारतें बना रहे हैं, जिससे मजदूरों का जीवन खतरे में पड़ रहा है स्थायी आय और किराए के लिए निर्मित भवनों का आज तक किसी भी अधिकारी या पदाधिकारी ने दौरा नहीं किया है और भवनों की गुणवत्ता और वायु गुणवत्ता के संबंध में कोई गंभीर निरीक्षण नहीं किया गया है, जिसके कारण श्रमिक वर्ग दयनीय जीवन जीने को विवश है । विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, प्रत्यक्ष निरीक्षण न करने का कारण यह है कि भवन मालिकों द्वारा अधिकारियों या पदाधिकारियों को उनके सहायकों द्वारा प्रति भूखंड निर्धारित राशि के सीलबंद लिफाफे दिए जाते हैं, यानी एक, दो या अधिक भूखंडों को मिलाकर निर्मित भवनों के लिए , इसलिए अधिकारी और पदाधिकारी मौके पर जाकर निरीक्षण करने से बचते हैं।

चूंकि भवन मालिक उक्त भवनों में किराए पर दिए गए कमरों में रहने वाले लोगों की कोई गहन जांच नहीं करते , इसलिए कुछ समय पहले पालसाना क्षेत्र में असामाजिक तत्वों को गांजा, चरस, भांग, अफीम, शराब आदि मादक पदार्थों के साथ पकड़ा गया था। यह भवन मालिकों की लापरवाही और गैरजिम्मेदारी का एक उदाहरण है। क्या भवन मालिक यह जांच नहीं करते कि कमरा किराए पर लेने वाला व्यक्ति कहां काम करता है? क्या उसके पहचान पत्र असली हैं या नकली? उसका व्यवसाय क्या है?

इस तरह की गहन जांच किए बिना ही कमरे किराए पर दे दिए जाते हैं। इस पूरे मामले में स्थानीय पुलिस व्यवस्था की ज़िम्मेदारी अधिकारियों और पदाधिकारियों से कहीं अधिक

लखनऊ में 22 फरवरी को मेगा विधिक साक्षरता एवं सेवा शिविर

महिलाओं, दिव्यांगों और वंचित वर्गों पर रहेगा विशेष फोकस

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार लखनऊ में 22 फरवरी को जनपद न्यायालय कैसरबाग परिसर में वृहद विधिक साक्षरता व सेवा शिविर (मेगा शिविर) का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर न्यायालय लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित जानकारी दी गई। नोडल अधिकारी रवीन्द्र कुमार द्विवेदी (विशेष न्यायाधीश, सीबीआई सेन्ट्रल) एवं प्राधिकरण के सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया शिविर का शुभारंभ 22 फरवरी को सुबह 10 बजे से होगा। शिविर में महिलाओं, निर्बल वर्ग, अनुसूचित जाति व जनजाति, दिव्यांगजन सहित समाज के वंचित तबकों से संबंधित सभी कल्याणकारी योजनाओं के विभागीय प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही मौके पर ही पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

अधिकारियों ने बताया विभागों द्वारा चिन्हित पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ भी शिविर स्थल पर ही दिलाया जाएगा। जिससे आमजन में जागरूकता बढ़े और अधिक से अधिक लोग सरकारी योजनाओं से जुड़ सकें। मेगा शिविर में निःशुल्क चिकित्सा जांच, आयुष्मान कार्ड पंजीकरण, आधार कार्ड सेवा शिविर सहित कई सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। प्रेस वार्ता में सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में जनपद न्यायालय लखनऊ में 'वृहद मध्यस्थता अभियान ' भी चल रहा है। इसके अंतर्गत शमनीय आपराधिक मामले, घरेलू हिंसा, सेवा विवाद, संपत्ति बंटवारा, वैवाहिक विवाद, चेक बाउंस, उपभोक्ता मामले, बेदखली, दुर्घटना प्रतिकर दावे, वाणिज्यिक विवाद, ऋण वसूली एवं भूमि अधिग्रहण जैसे मामलों का आपसी सुलह के माध्यम से त्वरित निस्तारण किया जाएगा।

लोगों को जागरूक करने की अपील

नोडल अधिकारी रवीन्द्र कुमार द्विवेदी एवं सचिव जीवक कुमार सिंह ने मीडिया प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि वे 22 फरवरी को आयोजित मेगा विधिक साक्षरता एवं सेवा शिविर की जानकारी जन-जन तक पहुंचाएं। ताकि अधिक से अधिक लोग योजनाओं का लाभ उठा सकें। यह शिविर समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय एवं कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, पीलीभीत इकाई बीसलपुर द्वारा नगर खेल कुंभ के अंतर्गत दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

(जीएनएस)।

बीसलपुर (पीलीभीत)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, पीलीभीत इकाई बीसलपुर द्वारा नगर खेल कुंभ के अंतर्गत एक भव्य दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय डिग्री कॉलेज, बीसलपुर (पीलीभीत) परिसर में किया गया। प्रतियोगिता में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं अतिथियों ने उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना का विकास, शारीरिक सुदृढ़ता के प्रति जागरूकता तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना रहा। प्रतिभागियों ने पूरे जोश एवं अनुशासन के साथ दौड़ में भाग लिया। विजेता प्रतिभागियों को परिषद पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

जिसमें 1600 मीटर की दौड़ में मनु यादव ने प्रथम स्थान, रवि सिंह ने द्वितीय स्थान, सूरज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा 800 मीटर की दौड़ में बहन निशा पल ने प्रथम स्थान, सीमा गंगवार ने द्वितीय स्थान, प्रियांशी गंगवार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला संगठन मंत्री रौनक पाल एवं जिला संयोजक आयुष मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल गतिविधियाँ युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं तथा विद्यार्थी परिषद सदैव ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को मंच प्रदान करती रहेगी।

अंत में परिषद पदाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों, सहयोगियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी प्रकार के आयोजन निरंतर करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक अमनदीप सिंह जी,कार्यक्रम सह सयोंजक प्रखर अवस्थी जी ,नगर अध्यक्ष अजीत सिंह जी , जयपाल सिंह जी , संजय जी आदि अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टेरा गांव में पशु आरोग्य शिविरः 110 पशुओं का उपचार, रोगों की रोकथाम के लिए दवाएं वितरित

(जीएनएस)।

जैदपुर बाराबंकी हरख विकास खंड स्थित टेरा ग्राम पंचायत में पशु आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। राजकीय पशु चिकित्सालय हरख, जैदपुर द्वारा आयोजित इस शिविर में कुल 110 पशुओं का उपचार किया गया।

शिविर में गाय, भैंस और बकरी जैसे विभिन्न पशुओं की चिकित्सा की गई। इसमें बांझपन चिकित्सा, कृत्रिम गभार्धान, शल्य चिकित्सा और बधियाकरण जैसी सेवाएं शामिल थीं। पशुपालकों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं।

गाँव में खुरपका-मुंहपका (ऋटऊ) रोग के लिए टीकाकरण भी किया गया। हरख क्षेत्र में पशु स्वास्थ्य और ऋटऊ नियंत्रण के लिए ऐसे विशेष शिविर लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।

पशुपालकों को 1962 एंबुलेंस सेवा के बारे में जागरूक किया गया, जो उनके द्वार तक पशु चिकित्सा सुविधा पहुंचाती है। डॉ. सुनील ने पशुधन बीमा, टीकाकरण, टैगिंग और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. भानु प्रताप प्रजापति, डॉ. सुनील कुमार वर्मा, पशुधन प्रसार अधिकारी अनिल सिंह, राम प्रवेश पटेल और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी चन्दकुंवर, रोहित सैनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सरकारी धन गबन मामले में वांछित महिला आरोपी गिरफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत। थाना कोतवाली पुलिस ने सरकारी धन के गबन के मामले में वांछित चल रही महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार बोर्ड परीक्षा वर्ष 2025-26 से संबंधित धनराशि के गबन के प्रकरण में यह कार्रवाई की गई है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में टीम गठित कर अभियान चलाया गया। 19 फरवरी 2026 को कोतवाली पुलिस ने आरोपी अर्शी खातून पत्नी इरफान उर्फ रहमान शामी, निवासी मोहल्ला पंजाबीया, थाना कोतवाली नगर, को गिरफ्तार कर लिया।

प्रकरण में जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 60/26 धारा 336(3), 316(5), 338, 340(2), 61(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीकृत किया गया था। आरोप है कि बोर्ड परीक्षा से संबंधित धनराशि को विद्यालय के खाते में ऑनलाइन हस्तांतरित किया जाना था, लेकिन फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से वेतन मद में गलत तरीके से भुगतान दर्शाकर राशि का गबन किया गया।

पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी इरफान उर्फ रहमान शामी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। गिरफ्तार महिला आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। कार्रवाई में निरीक्षक अपराध सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

मामूली कहासुनी के बाद शिक्षक पति ने ऐसा कदम उठाया कि पुरा गांव थरा गया, ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। गुरुवार की भोर पत्नी से हुई मामूली कहासुनी के बाद शिक्षक पति ने ऐसा कदम उठाया कि पुरा गांव थरा गया और अपने हरेभरे परिवार को शोक मे बदल दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शिक्षक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बताते चले कि गुरुवार की सुबह मसौली क्षेत्र के कस्बा त्रिलोकपुर निवासी 45 वर्षीय बी पी शुक्ला इंटर कालेज के शिक्षक श्याम सिंह ने पत्नी से मामूली कहासुनी के बाद शिक्षक ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस घटना ने पूरे इलाके को गहरे शोक और सन्नाटे में डुबो दिया और मृतक अपने पीछे एक नन्ही-सी उम्मीद छोड़ गए हैं-उनकी बेटी प्रतीक्षा, जो हाईस्कूल में पढ़ती है। पिता की असमय मौत ने मासूम बेटी के सपनों और सहारे को एक झटके में छीन लिया। परिवार और परिचितों के लिए यह विश्वास करना भी मुश्किल हो रहा है कि हमेशा शांत और सरल स्वभाव के रहने वाले श्याम सिंह अब इस दुनिया में नहीं रहे।

मृतक शिक्षक श्याम सिंह बीपी शुक्ल इंटर कॉलेज त्रिलोकपुर में अंग्रेजी विषय के शिक्षक थे। विद्यार्थियों के बीच वे अपनी सादगी, मधुर व्यवहार और पढ़ाने के सहज अंदाज के लिए जाने जाते थे। स्कूल में खबर पहुंचते ही शिक्षक-कर्मचारियों और छात्रों में शोक की लहर दौड़ गई। कई छात्र फूट-फूट कर रो पड़े- क्योंकि उन्होंने सिर्फ एक शिक्षक ही नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक खो दिया।

मामूली कहा-सुनी बनी मौत की वजह

सूत्रों के अनुसार गुरूवार की भोर शिक्षक एव पत्नी के बींच घर में किसी बात को लेकर हल्की-सी कहा-सुनी हुई थी। सुबह वे बाइक से घर से निकले, लेकिन किसी ने सोचा भी नहीं था कि यह उनकी आखिरी विदाई होगी। कुछ ही देर बाद यह दुखद समाचार मिला कि उन्होंने रानीबाजार के पास नरैनीपुरवा स्थित मालगाड़ी के आगे कूदकर अपनी जान दे दी।

पापा अब हम किसके सहारे अपने सपनों को पंख देंगे

जिस बेटी ने पढ़-लिखकर एक कामयाब ज़िंदगी के ख्वाब देखे थे, आज वही प्रतीक्षा टूटकर बिखर गई है।

पिता की असमय मौत की खबर सुनते ही उसका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। कांपती आवाज में वह बस एक ही सवाल दोहरा रही है पापाङ्क अब हम किसके सहारे अपने सपनों को पंख देंगे घर का वह साया, जो हर मुश्किल में ढाल बनकर खड़ा रहता था, एक पल में छिन गया।

कॉपी-किताबों के बीच पलने वाले सपने अब आंसुओं में भीग गए हैं, और मासूम आंखों में भविष्य की जगह गहरा खालीपन उतर आया है।

यह सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि एक बेटी के सहारे, उसके विश्वास और उसके उजले कल का अचानक बुझ जाना है।

एक ऐसा दर्द, जिसे शब्दों में बयान करना भी मुश्किल है।

खबर सुनते ही बदहवास हो गई पत्नी

जैसे ही पति की मौत की दर्दनाक खबर घर पहुंची, पत्नी पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

एक पल में सुहाग उजड़ जाने का सदमा वह सह नहीं पाई और बदहवासी की हालत में बार-बार यही पूछती रहीं-

'ऐसा क्यों कर दिया हमें किसके सहारे छोड़ गए?

घर की चौखट, जहां कभी हंसी गूंजती थी, अब सिसकियों से भर गई है।

साथ जीने-मरने की कसमें, आने वाले कल की उम्मीदें और पूरे परिवार के सपने-सब कुछ एक ही पल में बिखर गया।

उनकी नम आंखें आज भी दरवाजे की ओर टिकी हैं, मानो अभी वे लौट आएंगे

लेकिन हकीकत का यह दर्दनाक सन्नाटा हर बार दिल को चीर देता है।

रो पड़े बच्चे, गम में डूबा पूरा स्कूल

अपने प्रिय शिक्षक की मौत की खबर जैसे ही बीपी शुक्ल इंटर कॉलेज त्रिलोकपुर पहुंची, पूरे विद्यालय में मातम छा गया।

कक्षा में पढ़ाने वाले वही मुस्कुराते चेहरे को हमेशा के लिए खो देने का दर्द बच्चों से सहा नहीं गया—कई छात्र फूट-फूटकर रो पड़े।

जिन हाथों ने उन्हें सपने देखना सिखाया, जिन शब्दों ने उनका भविष्य संवारने की राह दिखाई, आज वही आवाज हमेशा के लिए खामोश हो गई।

साथी शिक्षक भी गहरे सदमे में हैं—हर आंख नम है और हर दिल भारी।

स्कूल का आंगन, जहां कभी पढ़ाई और हंसी की गूंज रहती थी, आज सन्नाटे में डूबा है

पूरनपुर रोड के दुर्घटना संभावित स्थलों का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जनपद में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ने एआरटीओ के साथ पूरनपुर रोड स्थित चिन्हित ब्लैक स्पॉट स्थलों का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान दुर्घटना संभावित स्थानों पर यातायात व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों का बारीकी से जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान सड़क संकेतक बोर्ड, रिफ्लेक्टर, बैरिकेडिंग, स्ट्रीट लाइट, चेतावनी संकेत एवं अन्य सुरक्षा उपायों की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने उन स्थानों को चिन्हित किया जहां पूर्व में दुर्घटनाएं हो चुकी हैं या भविष्य में खतरे की आशंका बनी रहती है।

पुलिस अधीक्षक ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में स्पष्ट और पर्याप्त चेतावनी संकेत लगाए जाएं। साथ ही अवैध पार्किंग और सड़क किनारे अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि यातायात बाधित न हो। क्षेत्राधिकारी यातायात को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने और नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ तकनीकी सुधार और नियमित निरीक्षण से ही दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सकती है।

22 फरवरी को गांधी प्रेक्षागृह में वृहद विधिक सेवा मेगा शिविर, योजनाओं का मिलेगा लाभ

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जनपद में आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 22 फरवरी 2026 को गांधी प्रेक्षागृह/स्टेडियम में वृहद मेगा विधिक सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा।

यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पीलीभीत द्वारा किया जा रहा है। शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

आयोजकों के अनुसार शिविर में सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, श्रम, राजस्व, महिला एवं बाल विकास सहित कई विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां आमजन अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकेंगे। पात्र व्यक्तियों को मौके पर ही आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर लाभान्वित किए जाने की व्यवस्था की गई है।

जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक नागरिकों से शिविर में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

बीसलपुर में आरोग्य हॉस्पिटल पर छापा

मानकों की अनदेखी का आरोप, सीएचसी अधीक्षक ने जारी किया नोटिस

पीलीभीत। तहसील बीसलपुर में संचालित आरोग्य हॉस्पिटल एक बार फिर विवादों में आ गया है। अस्पताल के खिलाफ मुख्यमंत्री पोर्टल पर मानकविहीन संचालन की गंभीर शिकायत दर्ज होने के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया। शिकायत के आधार पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बीसलपुर के अधीक्षक डॉ. आलमगीर ने दो दिन पूर्व अस्पताल पर छापा मारकर जांच की और संचालक को नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर जवाब तलब किया है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अस्पताल के बोर्ड पर कई डॉक्टरों के नाम और डिग्रियां अंकित हैं, लेकिन मौके पर कोई डॉक्टर मौजूद नहीं मिला। आरोप है कि मरीजों का इलाज डॉक्टरों की अनुपस्थिति में ही किया जा रहा है, जिससे उनकी जान को खतरा बना रहता है।

इसके अलावा अस्पताल परिसर में संचालित मेडिकल स्टोर पर भी अनियमितताएं सामने आई हैं। बताया गया है कि वहां न तो कोई पंजीकृत फार्मासिस्ट मौजूद मिला और न ही आवश्यक अभिलेख उपलब्ध थे। इससे स्पष्ट होता है कि अस्पताल का संचालन निर्धारित मानकों के विपरीत किया जा रहा था।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में लंबे समय से अनियमितताएं चल रही हैं और संबंधित विभाग को पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए थी। लोगों ने आरोप लगाया कि मानकों की अनदेखी कर मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जो गंभीर लापरवाही है।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. आलमगीर ने बताया कि अस्पताल संचालक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि अस्पताल में अनियमितताएं पाई गईं तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल स्वास्थ्य विभाग पूरे मामले की जांच कर रहा है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।